दैनिक जागरण

Published from PATNA • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Lucknow • Meerut • Moradabad • Kanpur • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

inext

मिल जाएगा नया पीएम } 10

Max: 34.0°c
Min: 26.0°c

अध्ययन में निरंतरता से हासिल होगा बेहतरीन प्रदर्शन

PATNA (1 July): चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना ने वेडनस्डे को अपने मुख्य मैनेजमेंट प्रोग्राम पीजीडीएम 2026-28 में नया दाखिला लेने वाले छात्रों के स्वागत के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया. आयोजन का उद्देश्य छात्रों को आत्मविश्वास, अनुशासन और बेहतरीन काम करने के संकल्प के साथ संस्थान के अकादमिक माहौल, मूल्यों और संस्कृति को जानने का अवसर देना था. मुख्य अतिथि रेरा के अध्यक्ष डा. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बेहतरीन प्रदर्शन शार्टकट से नहीं, बल्कि ईमानदारी, कमिटमेंट और निरंतरता से हासिल होता है. सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि आज के छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और एडवांस्ड टेक्नोलाजी के दौर में कदम रख रहे हैं, जहां भविष्य की सफलता का आधार अडैप्टेबिलिटी, इनोवेशन और लगातार सीखते रहना होगा.

Dainik Jagran Inext ! Page N0-04 ! Date -02-07-2026

दैनिक जागरण

अध्ययन में निरंतरता से होगा बेहतरीन प्रदर्शन

जासं, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) ने बुधवार को अपने मुख्य मैनेजमेंट प्रोग्राम पीजीडीएम 2026-28 में नया दाखिला लेने वाले छात्रों के स्वागत के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन का उद्देश्य छात्रों को आत्मविश्वास, अनुशासन और बेहतरीन काम करने के संकल्प के साथ संस्थान के अकादमिक माहौल, मूल्यों और संस्कृति को जानने का अवसर देना था।

Dainik Jagran ! Page N0- 22 ! Date -02-07-2026

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पेज 18 बिहार मूल्य ₹ 4.00 | वर्ष 9, अंक 167

कैंपस अपडेट

सीआईएमपी में नए सत्र में 133 से अधिक छात्रों का हुआ नामांकन, भविष्य के मैनेजमेंट लीडर्स को दिए सफलता के मंत्र

पटना|चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में पीजीडीएम सत्र 2026-28 के नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस सत्र में 133 से अधिक छात्रों ने नामांकन लिया है। कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों को संस्थान की संस्कृति, शैक्षणिक मूल्यों और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, नवाचार और निरंतर सीखने की संस्कृति पर विशेष जोर दिया गया। संस्थान के एसोसिएट डीन डॉ. सुनील कुमार ने छात्रों से कहा कि प्रबंधन की पढ़ाई में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव, रिसर्च और एक्स्ट्रा-करिकुलर गतिविधियों का सही तालमेल बेहद जरूरी है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में छात्रों को आगाह किया कि वे नई तकनीक को सीखने का एक सशक्त माध्यम बनाएं, लेकिन साथ ही अपनी मौलिक सोच और रचनात्मकता को भी बरकरार रखें।

Dainik Bhaskar ! Page NO-05 ! Date-02-07-2026